आयूब के महान लेविथान के गुण

“क्या तुम लेविथान को हुक से पकड़ सकते हो, या उसकी जीभ को रस्सी से बाँध सकते हो?
क्या तुम उसके नथुनों में रिंग डाल सकते हो या उसके जबड़े में हुक घुसा सकते हो?”
— आयूब 41:1–2

परमेश्वर द्वारा लेविथान का वर्णन

आयूब अध्याय 41 में परमेश्वर आयूब को एक रहस्यमय प्राणी, लेविथान के गुणों का विस्तृत वर्णन देते हैं।

भगवान इस प्राणी का उदाहरण देते हैं — जिसे आज हम मगरमच्छ के रूप में जानते हैं — ताकि हमें आध्यात्मिक वास्तविकताओं की गहरी समझ मिल सके। यह केवल एक भौतिक प्राणी का वर्णन नहीं है, बल्कि यह हमारे सामने आध्यात्मिक लेविथान की शक्तियों का प्रतीक प्रस्तुत करता है, जिसे आयूब को इस अध्याय में दिखाई गई थी।

कुछ गुण आज के मगरमच्छ से कहीं अधिक हैं, लेकिन परमेश्वर अक्सर हमारे समझने के लिए दृश्य उदाहरण का प्रयोग करते हैं ताकि हम

अदृश्य आध्यात्मिक सच्चाइयों को समझ सकें।

इस प्राणी की विशिष्टता और शक्ति

भगवान आयूब को दिखाते हैं कि यह लेविथान किसी भी जीव के समान नहीं है। न तो समुद्र के जीव, न तो आकाश के पक्षी, न तो धरती के जानवर इसकी तुलना कर सकते हैं।

इसकी अद्भुत शक्ति, कठोर कवच, और निर्भीक साहस भगवान द्वारा दर्शाया गया। कोई भाला, तलवार या तीर इसे नहीं छेद सकता। यह अजेय और निडर है। संक्षेप में, पृथ्वी पर इसका कोई समकक्ष नहीं है।

लेविथान का विवरण (आयूब 41)

“क्या तुम इसे हुक से पकड़ सकते हो या उसकी जीभ को रस्सी से बाँध सकते हो?
क्या यह तुमसे वचन करेगा कि तुम इसे जीवन भर अपना सेवक बना
लो?
क्या तुम इसके साथ खेल सकते हो जैसे किसी पक्षी के साथ, या इसे अपनी युवतियों के लिए बाँध सकते हो?
क्या व्यापारी इसे आपस में बाँटेंगे?

क्या तुम इसके शरीर को भाले से भर सकते हो या इसके सिर में जाल घुसा सकते हो?”
— आयूब 41:1–7

“फिर कौन मेरे सामने खड़ा हो सकता है?
किसने मुझे पहले कुछ दिया, जिसे मैं उसे लौटाऊँ?
आकाश के नीचे सब कुछ मेरा है।”
— आयूब 41:10–11

“इसके पीछे की कवच की पंक्तियाँ इतनी घनी हैं कि हवा भी बीच से नहीं जा सकती।
इसके मुँह से ज्वाला निकलती है; आग के चिंगारी फूटती हैं। इसकी नासिका से धुआँ उठता है जैसे उबलते बर्तन से।
इसकी साँस आग लगाती है, और मुँह से अग्नि निकलती है।”
— आयूब 41:15–21

“इसका हृदय पत्थर के समान कठोर है।
जब यह उठता है, तो वीर डर जाते हैं; वे पीछे हटते हैं।
जब इसे तलवार मारी जाती है, तो कोई असर नहीं होता; भाले, तीर

या भाला भी इसे नहीं छेद सकते।”
— आयूब 41:24–26

“धरती पर इसका कोई समान नहीं, यह निर्भीक है।
यह गर्वियों पर देखता है; यह सभी अहंकारी लोगों का राजा है।”
— आयूब 41:33–34

यह लेविथान कौन है?

यह महान लेविथान कोई और नहीं बल्कि प्रभु यीशु मसीह हैं।

कोई राज्य, शक्ति या सत्ता उनके राज्य को हिला नहीं सकती। पूरी पृथ्वी उनके सामने कांपती है। यह केवल समुद्री जीव नहीं है — यह सभी प्राणियों से महान है। वह राजाओं का राजा, यहूदा की वंश से शेर, और सभी गर्वियों पर अधिपति हैं।

उनका आध्यात्मिक वंश

जैसे लेविथान का अपना वंश है, वैसे ही मसीह के भी उनके विश्वासियों के रूप में आध्यात्मिक बच्चे हैं।

जो व्यक्ति यीशु मसीह को जन्म से स्वीकार करता है, वह एक नया सृजन बन जाता है। वह अब कमजोर नहीं है, बल्कि आत्मा में शक्तिशाली है और मसीह की शक्ति से भरा है।

पश्चाताप और नया जीवन

प्रिय मित्र, यदि तुम कमजोर जीवन जी रहे हो — पाप से परेशान, शैतानों से पीड़ित, और दुनिया के दबाव में — तुम छोटे मछलियों जैसे हो, जिन्हें आसानी से हुक से पकड़ा जा सकता है।

लेकिन जब तुम यीशु मसीह को अपने हृदय में स्वीकार करते हो, तो तुम पूरी तरह बदल जाते हो। तुम आध्यात्मिक रूप से शक्तिशाली बन जाते हो, और अंधकार की शक्तियाँ तुमसे डरेंगी।

आज ही अपने पापों का सच्चा पश्चाताप करो और यीशु से कहो:

“प्रभु, मैं अपना हृदय खोलता हूँ। मेरे भीतर प्रवेश करो।”

वह आकर तुम्हारे पापों को क्षमा करेंगे और तुम्हें अनन्त जीवन का आश्वासन देंगे। वह तुम्हें नए सृजन में बदल देंगे।

इस पल से घोषणा करो:

“यीशु मेरा है, और मैं उसका हूँ।”

यदि तुमने अभी तक बपतिस्मा नहीं लिया है, तो इसे आज़माओ — यह तुम्हारे नए जीवन की पुष्टि करता है।
तुम अब कमजोर मछली नहीं रहोगे, बल्कि आध्यात्मिक रूप से एक महान लेविथान बन जाओगे — शक्तिशाली, राज्य करने वाला और मसीह में विजयी।

परमेश्वर तुम्हें बहुत आशीर्वाद दें।

इस शुभ समाचार को साझा करें

यदि आप मुफ्त में मदद चाहते हैं कि यीशु को अपने जीवन में स्वीकार करें, तो हमें नीचे दिए गए नंबरों पर संपर्क करें। दैनिक शिक्षाएँ प्राप्त करने के लिए WhatsApp चैनल में जुड़ें:
https://chat.whatsapp.com/L3ysoFZcz058XCX9oLvKL1?s=cl&p=a &mlu=4&ilr=4

+255 789 001 312 या +255 693 036 618 परमेश्वर आपका भला करे।

Share on:
WhatsApp